

गणतंत्र दविस परेड में उत्तर प्रदेश की झाँकी

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश की [गणतंत्र दविस](#) झाँकी में परयागराज में चल रहे महाकुंभ का उत्सव मनाया गया, जिसमें 'समुद्र मंथन', 'अमृत कलश' और [संगम](#) तट पर स्नान करते संतों को दर्शाया गया।



मुख्य बडि

- मुख्य वषिय एवं केंद्र:
 - [76वें गणतंत्र दविस समारोह](#) का मुख्य आकर्षण संवधान लागू होने के पूरे 75 वर्ष, रहा।
 - इस झाँकी का थीम या वषिय 'स्वर्णमि भारत: वरिसत और वकिस' था, जो भारत की वरिसत और प्रगतपिर प्रकाश डालता है।
- उत्तर प्रदेश की झाँकी की मुख्य वषिषताएँ:
 - झाँकी में महाकुंभ 2025 की भव्यता को दर्शाया गया तथा वरिसत और वकिस के संगम का चतिरण कयिा गया।
 - आगे की ओर झुका हुआ एक प्रमुख 'अमृत कलश' पवतिर 'अमृतधारा' के प्रवाह का प्रतीक है।
 - ऋषियों और मुनियों को शंख बजाते, संगम पर स्नान करते और ध्यान करते हुए दर्शाया गया है, जबकि भिक्तगण [गंगा](#), [यमुना](#) और प्राचीन [सरसवती](#) के पवतिर जल में डुबकी लगाते हैं।
- पौराणिक एवं सांस्कृतिक चतिरण:
 - झाँकी में 'समुद्र मंथन' की पौराणिक कथा का जीवंत चतिरण कयिा गया, जो महाकुंभ के ऐतहासिक और सांस्कृतिक महत्त्व का प्रतीक है।
 - पीछे की ओर समुद्र मंथन से निकले 14 रत्नों को कलात्मक ढंग से दर्शाया गया।
- महाकुंभ 2025 की तकनीकी वषिषताएँ:
 - झाँकी में कुंभ में कुशल सुरक्षा और भीड़ प्रबंधन के लिये एकीकृत कमान और नियंत्रण केंद्र (ICCC) के माध्यम से तकनीकी प्रगतपिर जोर दयिा गया है।
 - यह वषिाल सभा के प्रबंधन के लिये अत्याधुनिक डिजिटल तैयारियों पर प्रकाश डालता है।

गणतंत्र दविस

- गणतंत्र दविस 26 जनवरी, 1950 को भारत के संवधिन को अपनाने तथा देश के गणतंत्र में परविरत्न की याद में मनाया जाता है, जो 26 जनवरी, 1950 को प्रभावी हुआ।
 - संवधिन को [भारत की संवधिन सभा द्वारा 26 नवंबर, 1949](#) को अपनाया गया तथा 26 जनवरी, 1950 को लागू किया गया।

भारतीय संवधिन ने 26 जनवरी, 1950 को प्रभावी होने पर **भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम 1947** और **भारत सरकार अधिनियम 1935** को नरिस्त कर दिया। भारत ब्रिटिश राज का अधिराज्य नहीं रहा और **संवधिन सहित एक संप्रभु, लोकतांत्रिक गणराज्य** बन गया।

PDF Refernece URL: <https://www.drishtiiias.com/hindi/printpdf/up-tableau-at-republic-day-parade>

